

---

shrI devI ShaTkam

श्रीदेवीषट्कं अथवा मातङ्गीषट्कम्

Document Information

---

Text title : devI ShaTkam

File name : devI6.itx

Category : ShaTkam, devii, pArvatI, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : mp

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : January 28, 2005

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदेवीषट्कं अथवा मातङ्गीषट्कम्

---



श्रीगणेशाय नमः ।

अम्ब शशिविम्बवदने कम्बुग्रीवे कठोरकुचकुम्भे ।

अम्बरसमानमध्ये शम्बररिपुवैरिदेवि मां पाहि ॥ १ ॥

कुन्दमुकुलाग्रदन्तां कुङ्कुमपङ्केन लिप्तकुचभाराम् ।

आनीलनीलदेहामम्बामखिलाण्डनायकीं वन्दे ॥ २ ॥

सरिगमपधनिसतान्तां वीणासङ्क्रान्तचारुहस्तां ताम् ।

शान्तां मृदुलस्वान्तां कुचभरतान्तां नमामि शिवकान्ताम् ॥ ३ ॥

अरटतटघटिकजूटीताडिततालीकपालताटङ्काम् ।

वीणावादनवेलाकम्पितशिरसं नमामि मातङ्गीम् ॥ ४ ॥

वीणारसानुषङ्गं विकचमदामोदमाधुरीभृङ्गम् ।

करुणापूरितरङ्गं कलये मातङ्गकन्यकापाङ्गम् ॥ ५ ॥

दयमानदीर्घनयनां देशिकरूपेण दर्शिताभ्युदयाम् ।

वामकुचनिहितवीणां वरदां सङ्गीत मातृकां वन्दे ॥ ६ ॥


माणिक्यवीणा मुपलालयन्तीं मदालसां मञ्जुलवाग्विलासाम् ।

महेन्द्रनीलद्युतिकोमलाङ्गीं मातङ्गकन्यां मनसा स्मरामि ॥ ७ ॥

॥ इति श्रीकालिकापुराणे देवीषट्कं अथवा मातङ्गीषट्कं समाप्तम् ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

